संस्थापक व प्रबंध सम्पादक-विजय कुमार शर्मा

फोन/ फेक्स-01571 240380, 9461140380, 09928420968, 09928392426

शेखावाटी टुडे

विशेषांक

16 सितम्बर 2025

www.shekhawatitoday.com, Email- editor@shekhawatitoday.com

शेखावाटी इनफॉर्मेशन ब्यूरो का प्रमुख समाचार पत्र

डाक पंजीकरण-सीकर/060/2025-2027

सम्पादक-हेमंत कुमार

RNI-RAJHIN/2003/9797

आयुक्त की समझाईश पर स्वैच्छा से हटाए अतिक्रमण

सीकर। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा के नेतृत्व में राधाकिशनपुरा इलाके में बचे हुए अतिक्रमण को स्थानीय नागरिकों की सहमति से हटा दिया गया। आयुक्त द्वारा समझाईश के बाद सम्बंधित भवन मालिकों ने बिना किसी विरोध के शेष अतिक्रमण भी स्वयं ही हटा लिए। क्षेत्र के नागरिकों ने बताया कि जब यह सड़क पूरी तरह तैयार हो जाएगी, तो इससे स्कूली बच्चे, आम राहगीरों और वाहनों का आवागमन सुगम हो सकेगा। आयुक्त के इस अभियान में सहायक अभियंता विकास मिश्रा, कनिष्ठ अभियंता निधि चौधरी, क्षेत्रीय निरीक्षक एवं नपसी के सफाईकर्मी भी मौजूद रहे।

खास बात यह रही कि जब राधाकिशनपुरा अण्डरपास से वंदेमातरम् चौक तक नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान में वार्ड के नागरिकों ने स्वेच्छा से सहयोग किया। जानकारी के अनुसार पालवास रोड स्थित मालियों का मोहल्ला, महन्तों की कोठी (वार्ड संख्या 21) में सार्वजनिक रास्ते पर अवैध रूप से खड़े किए गए पिल्लरों को ध्वस्त कर मार्ग को आमजन के लिए पूरी तरह खोल दिया गया। अतिक्रमण अधिकारी नरेंद्र कुमार नट, मुख्य सफाई निरीक्षक लक्ष्मण सिंह लद्धड़, अग्निशमन अधिकारी लोकेश गोठवाल, सहायक अभियंता प्रवीण कुमार, कनिष्ठ अभियंता नीतू, जोन इंस्पेक्टर संजिव कुमार, प्रवर्तन दस्ते के सदस्य और सफाई कर्मियों की टीम ने संयुक्त रूप से मौके पर कार्रवाई की। स्थानीय निवासियों ने अतिक्रमण हटने पर राहत की सांस ली और कहा कि अब रास्ता आमजन के लिए सुगम और सुरक्षित हो गया है। लोगों ने न्यायालय और प्रशासन का आभार जताते हुए इसे अनुकरणीय कदम बताया।

हिन्दी भाषा के इतिहास की जानकारी दी

रामगढ़ शेखावाटी : कस्बे के सेठ आरएन रूईया राजकीय महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर श्रुत लेख व निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष शारदा इंदलिया ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दी भाषा केवल संवाद की भाषा नहीं बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और गौरव की भाषा है।

विश्व में हिन्दी भाषा की दशा व दिशा पर प्रकाश डाला। भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र प्रभारी डॉ. ज्योति शर्मा ने हिन्दी दिवस मनाने के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि 14 सितम्बर 1949 की भारत की संविधान सभा में हिन्दी की भारत गणराज्य की अधिकारिक भाषा का दर्जा मिला व 14 सितम्बर 1953 को पहली बार हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की गई। प्रो. महेशकुमार स्वामी ने इन्टरनेट पर हिन्दी की पहली ऑनलाइन पत्रिका ''भारत दर्शन'' के बारे में बताया कि साहित्य पर केन्द्रित यह पत्रिका न्यूजीलैण्ड से प्रकाशित होती थी। डॉ. एसके सक्सेना ने हिन्दी दिवस मनाने के उद्देश्यों जैसे सरकारी कार्यालयों व शिक्षण संस्थानों में हिन्दी के प्रयोग को बढाना आदि की जानकारी दी।

इस अवसर पर कै. डॉ. नवीन कुमार, डॉ. ज्योति जांगिड़, रमेशकुमार शर्मा, अशोक कुमार मिश्रा, रमेश कुमार कुमावत, सुरेन्द्र कुमार व नन्दकिशोर जांगिड़ थे।

रामगढ़ शेखावाटी में खेल स्टेडियम से फव्वारा चोरी

रामगढ़ शेखावाटी: कस्बे के बिसाऊ रोड़ पर राजकीय सेठ आरएन रुइया कॉलेज के पास निर्माणाधीन रामनारायण रुइया शेखावाटी स्पोर्ट्स एकेडमी के खेल मैदान से फव्वारा मय नोजल चोरी होने का मामला रामगढ़ पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि प्रदीपकुमार बागला पुत्र श्यामलाल बागला ने मामला दर्ज कराया कि वह रामगढ़ शेखावाटी परिषद मुम्बई की स्थानीय समिति के अध्यक्ष पद पर सेवारत है। संस्था के माध्यम से खेल मैदान का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमें 1 सितम्बर को अज्ञात चोरों द्वारा खेल मैदान में घुसकर सात फव्वारा मय नोजल चोरी कर ले गए जिसकी कीमत करीब दस हजार रुपये है। इस दौरान चोरों द्वारा खेल मैदान में पाइपों को भी चोरी करने की नियत से एकत्रित कर लिया लेकिन वह चोरी नहीं कर सकें।

अग्रसेन जयंती समारोह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन शुरू

फतेहपुर शेखावाटी। अग्रसेन जयंती समारोह को लेकर अग्रसेन भवन में सोमवार से विभिन्न प्रतियोगिताएं शुरू हुई। 22 सितम्बर को अग्रसेन जयंती समारोह उत्साह उमंग के साथ अग्रसेन भवन में मनाया जाएगा। संगठन के प्रतियोगिता संयोजक कृष्ण गोपाल चिरानिया ने बताया कि 22 सितम्बर से अग्रसेन जयंती समारोह एवं उमंग के साथ मनाया जाएगा। उन्होने बताया कि नवरात्रा स्थापना के दिन आने वाले अग्रकुल प्रवर्तक महाराज अग्रसेन के जन्म दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसके तहत सोमवार को सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे विभिन्न शिक्षक संस्थानो के 103

विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को आयोजन समिति की ओर से सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। कृष्ण गोपाल चिरानियां ने बताया कि 22 सितम्बर तक चलने वाले कार्यक्रमों में चित्रकला प्रतियोगिता, मेहन्दी प्रतियोगिता फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जाएगा।

भारत को जानो परीक्षा में विजेता प्रतिभागियों सहित शिक्षको का किया सम्मान

फतेहपुर शेखावाटी। कस्बे के रामगढ़ रोड के समीप संचालित विनायक इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित भारत को जानों प्रतियोगिता 2025 का परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर स्कूल में गुरू वंदन एव छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन संस्था के चेयरमैन महेश शर्मा की अध्यक्षता एवं भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस दौरान परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने भारत विकास परिषद की ओर से किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने और जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के द्वारकाप्रसाद शर्मा, प्रेमप्रकाश, व महेश इन्दौरिया बतौर अतिथि उपस्थित रहे। इस मौके पर संस्थान के चेयरमैन महेश शर्मा एवं एमडी राहुल शर्मा ने भारत विकास परिषद का आभार व्यक्त करते हुए परिषद के अध्यक्ष सहित सदस्यों को विद्यालय की ओर से प्रतिक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया।

डांडिया महोत्सव 29 सितम्बर को

लक्ष्मणगढ़। कस्बे की जनसेवा के लिए संकल्पित लक्ष्मणगढ़ सेवा परिषद द्वारा गत वर्ष की भांति इस बार भी शारदीय नवरात्रा में माँ दुर्गा को रिझाने के लिए डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत शनिवार को संस्कार विवाह स्थल में परिषद के कार्यकर्ताओं की मीटिंग आयोजित हुई। इस दौरान आगामी 29 सितंबर 2025, सोमवार को स्थानीय संस्कार विवाह स्थल में होने जा रहे डांडिया महोत्सव की रुपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस बार भी शारदीय नवरात्रा में परिषद की ओर से 29 सितम्बर 2025 को शाम 6 बजे से डांडिया महोत्सव मनाया जाएगा जिसमें जयपुर की सुप्रसिद्ध आर्केस्ट्रा पार्टी द्वारा डांडिया गीतों की प्रस्तुतियाँ दी जाएगी। कार्यक्रम में 10 लक्की ड्रा भी रखे जाएगे जिसमें प्रथम विजेता को 5न स्मार्टफोन उपहार स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम में स्वादिष्ट मनभावन चाट भी होगी।

आज का राशिफल

मेष – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। करियर में तरक्की के योग हैं। परिवार से सहयोग मिलेगा।

वृषभ– धन लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी शुभ कार्य में शामिल हो सकते हैं।

मिथुन– व्यस्तता के बीच संतुलन बनाए रखें। यात्रा लाभकारी हो सकती है। नए लोगों से मुलाकात होगी।

कर्क– मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में स्थिरता आएगी। रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह– नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय है।

कन्या– आज योजनाओं पर अमल का दिन है। मेहनत से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला– दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक– उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। कार्यों में बाधा दूर होगी। निवेश से लाभ संभव है।

धनु– यात्रा शुभ रहेगी। नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मकर– मेहनत का फल मिलेगा। व्यवसाय में लाभ। स्वास्थ्य पर ध्यान देना ज़रूरी।

कुंभ– रचनात्मक कार्यों में सफलता। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार।

मीन– आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ के योग। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

जिले के 21 सब-इंस्पेक्टर बने सीआई, फील्ड पोस्टिंग होगी

सीकर 7 पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के 580 सब-इंस्पेक्टरों के परीक्षा परिणाम की सूची जारी की है। ये सब-इंस्पेक्टर से सीआई के पद पर पदोन्नत हुए हैं। इनमें सीकर जिले के 21 सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। अब इनका प्रमोशन कैडिट कोर्स होगा। इसके बाद फील्ड पोस्टिंग दी जाएगी।

सीआई बनने वालों में धोद थानाधिकारी राकेश मीणा, दादिया थानाधिकारी अशोक झाझड़िया, रामनिवास फतेहपुर सदर थाना, नेकीराम बलारां थाना, मुकेश कुमार कोतवाली नीमकाथाना, राजाराम लेघा क्राइम ब्रांच, पवन कुमार रामगढ़ सेठान थाना, मुकेश कुमार जाट पुलिस लाइन सीकर, संजय वर्मा सदर थाना सीकर, गिरधारीलाल थाना जाजोद, रिया चौधरी थाना अजीतगढ़, महेंद्र कुमार थोई थाना शामिल हैं। इनके अलावा बिमला बुडानिया पुलिस लाइन सीकर, संगीता मीणा पुलिस लाइन सीकर, दीप्ति रानी श्रीमाधोपुर थाना, कंचन कुमारी रींगस थाना, रामकिशन नेछवा थाना, राजेश कुमार रींगस थाना और विक्रम सिंह पाटन थाना के नाम शामिल हैं।

शेखावाटी विरासत संरक्षण संवाद-शेखावाटी की हवेलियां हमारी अनमोल धरोहर,

धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्द्धन हम सबका सामूहिक दायित्वः मुख्यमंत्री

शेखावाटी की हवेलियों की सुरक्षा एवं रखरखाव के लिए राज्य सरकार तत्पर

जयपुर/सीकर, 15 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां प्रदेश की अनमोल एवं अद्वितीय धरोहर हैं। इन धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्द्धन सबका सामूहिक दायित्व है। राज्य सरकार समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए इनकी रक्षा एवं रखरखाव हेतु हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वाटी विरासत सरंक्षण संवाद कार्यक्रम को बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी दिशा में बजट वर्ष 2025-26 में शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना की घोषणा की गई है। इस योजना में झुंझुनूं, सीकर और चूरू में अब तक 662 ऐतिहासिक हवेलियों को चिन्हित किया गया है। इन हवेलियों को हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट गैलरी, होमस्टे और टूरिज्म हब

के रूप में विकसित किया जाएगा।

शेखावाटी क्षेत्र बन रहा पर्यटन में सिरमौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र की धरती अपने आप में कला, संस्कृति और आस्था का अद्वितीय संगम है। ऐसे में शेखावाटी क्षेत्र आज पर्यटन में सिरमौर बन रहा है। इस वर्ष के छह माह में शेखावाटी के तीन जिलों सीकर, झुंझुनूं और चूरू में लगभग एक करोड़ 90 लाख देशी पर्यटक और 33 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक आए। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दे रही है। इसी तरह खाटूश्यामजी मंदिर एवं सालासर बालाजी मंदिर को धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों को कुल 30 हेरिटेज प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। ये प्रमाणपत्र हवेलियों को संरक्षण से जोड़ते हुए उन्हें पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन को लेकर अब तक 58 एमओयू हुए हैं। इनसे इस क्षेत्र में निवेश के साथ ही रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सभी एमओयू को समय पर धरातल पर उतारने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही कोलकाता, हैदराबाद, सूरत आदि शहरों में राइजिंग राजस्थान कॉन्क्लेव के माध्यम से हवेली मालिकों और हितधारकों से संवाद करने जा रहे हैं।

विरासत संरक्षण के लिए स्थानीय व विशेषज्ञ लोग आएं आगे

श्री शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों द्वारा कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत प्रदेश में जल संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। ऐसे में विरासत के संरक्षण के लिए स्थानीय, विशेषज्ञ एवं अनुभवी लोग आगे आएं। विरासत संरक्षण संवाद की यह पहल सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण, पर्यटन संवर्धन और स्थानीय विकास को एक साथ लेकर चलने का ही प्रयास है।

विरासत के संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए ज्वाइंट कमेटी होगी गठित

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी के रामगढ़, नवलगढ़, मंडावा, खेतड़ी, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर और महनसर कस्बों की विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए विभिन्न विभागों की ज्वाइंट कमेटी गठित की जाएगी, जो इन क्षेत्रों में आधारभूत संरचना एवं पर्यटन विकास के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाकर कार्य करेगी। साथ ही, उन्होंने भविष्य में कोई भी हवेली नहीं तोड़े जाने के संबंध में जिला कलक्टर्स को निर्देशित करने के लिए कहा। इससे पहले कार्यक्रम में हवेली मालिक, टूर ऑपरेटर एवं संरक्षणविद सहित अन्य हितधारकों ने शेखावाटी हवेलियों के इतिहास, पर्यटन की संभावनाओं, रोजगार सृजन, विरासत संरक्षण, आधारभूत सुविधाओं के विकास सहित अन्य विषयों पर सुझाव दिए। इस अवसर पर पर्यटन विभाग एवं स्वायत्त शासन विभाग ने शेखावटी क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणा की अनुपालना में शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण की दिशा में तेजी से कार्य कर ही है। इसी दिशा में पर्यटन विभाग ने संरक्षणविदों के पैनल भी बनाएं हैं तथा धरोहर के मूल स्वरूप के संबंध में बाइ लॉज को प्रभावी रूप से लागू करवाया जा रहा है।

कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत सहित पर्यटन, वित्त, स्वायत्त शासन, नगरीय विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही शेखावाटी क्षेत्र के हवेली मालिक, टूर ऑपरेटर्स, विशेषज्ञ एवं संरक्षणविद् उपस्थित रहे। वहीं, सीकर, झुंझुनूं एवं चूरू के जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

रामगढ़ के ये थे उपस्थित-इस दौरान रामगढ़ शेखावाटी से इस मीटिंग में राधेश्याम गुरुजी ठंडाई वाले, श्रुति पोद्दार, मनोज जौहरी, कमल पोद्दार, कमलेश अग्रवाल, रिछपाल नेहरा, ओम प्रकाश कलावाटिया, ताराचंद शर्मा,कन्हैया लाल बजाज, महेंद्र जौहरी आदि उपस्थित थे

शेखावाटी टुडे
रामगढ़ शेखावाटी
16 सितम्बर 2025

रामगढ़ शेखावाटीः नए बस स्टैंड पर गंदे पानी की समस्या से जनता फिर आक्रोशित

रामगढ़ शेखावाटी, 15 सितंबर। नए बस स्टैंड पर फैले गंदे पानी की समस्या को लेकर सोमवार को एक बार फिर जनता का आक्रोश फूट पड़ा। वर्षों से चली आ रही यह समस्या अब रोजमर्रा की परेशानी बन चुकी है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा।

सीवरेज प्लांट भी आक्रोश का कारण

बस स्टैंड से कुछ ही दूरी पर स्थित सीवरेज प्लांट में गंदगी का ढ़ेर भी लोगों के रोष का कारण बना हुआ है। प्रशासन बार-बार यह कहकर पल्ला झाड़ लेता है कि गंदगी निस्तारण के लिए अन्य कोई स्थान उपलब्ध नहीं है।

शव यात्रा में बाधा, परिजनों को परेशानी

नए बस स्टैंड के पास ही सार्वजनिक श्मशान घाट स्थित है। शव यात्रा में जाने वालों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

मीडिया की आवाज दबाने की कोशिश

मीडिया कर्मियों ने कई बार इस समस्या पर आवाज उठाई, लेकिन सरकार एवं उच्च अधिकारियों की अनदेखी के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि सफाईकर्मियों को आगे कर पत्रकारों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे तक लगाए गए।

बार-बार शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं

कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर और स्वायत शासन विभाग को कई बार शिकायतें भेजी हैं। इसके बावजूद उच्च अधिकारी कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं।

वर्षों से जमे कर्मचारी भी सवालों के घेरे में

नगर पालिका कार्यालय में अधिकांश कर्मचारी वर्षों से जमे हुए हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनका तबादला नहीं किया जाता, जिससे जनता में गहरा आक्रोश है।

सम्पादक की कलम से....

शेखावाटी की हवेली विरासतः संरक्षण और संवर्धन की दरकार

राजस्थान की शेखावाटी धरा केवल भौगोलिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह अपनी अनूठी कला, स्थापत्य और भित्तिचित्रों के कारण विश्वभर में पहचानी जाती है। यहाँ की हवेलियाँ, किले, मंदिर और छतरियाँ भारतीय संस्कृति की जीवित धरोहर हैं। दीवारों पर बने अद्वितीय चित्र केवल रंग और ब्रश की कारीगरी नहीं, बल्कि उस समय की सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक गतिविधियों के दस्तावेज़ भी हैं।

दुर्भाग्य से, यह अमूल्य धरोहर आज उपेक्षा की मार झेल रही है। शहरीकरण, पलायन और रखरखाव के अभाव के कारण सैकड़ों हवेलियाँ खंडहर में बदल रही हैं। कभी समृद्ध व्यापारियों की शान रही ये हवेलियाँ अब टूटती छतों, उखड़ती पेंटिंग्स और जर्जर दीवारों के बीच अपनी पहचान खोने लगी हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल इनका उल्लेख पुस्तकों या तस्वीरों में ही देख पाएंगी।

इसी संदर्भ में 15 सितंबर को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित ''शेखावाटी विरासत संरक्षण संवाद'' एक सराहनीय पहल है। इस संवाद में विशेषज्ञों, इतिहासकारों, स्थानीय समुदायों और सरकार के बीच चर्चा का उद्देश्य यही रहा कि इस धरोहर को कैसे बचाया जाए और पर्यटन व सांस्कृतिक विकास के माध्यम से किस प्रकार संवर्धन हो सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विरासत केवल अतीत की स्मृति नहीं है, बल्कि यह भविष्य की आर्थिक और सांस्कृतिक पूँजी भी है।

संरक्षण की दिशा में कुछ प्रमुख बिंदुओं पर गंभीरता से अमल आवश्यक है-

वैज्ञानिक संरक्षण - भित्तिचित्रों और स्थापत्य के संरक्षण हेतु विशेषज्ञ आर्किटेक्ट और आर्ट रेस्टोरेशन विशेषज्ञों की मदद ली जाए।

स्थानीय भागीदारी - ग्राम पंचायत और स्थानीय निवासियों को जागरूक कर इन धरोहरों की देखभाल की जिम्मेदारी भी साझा करनी होगी।

पर्यटन संवर्धन - हवेलियों को हेरिटेज होटल या सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे रोजगार भी सृजित हो।

शिक्षा और शोध - विश्वविद्यालयों व कला संस्थानों को शेखावाटी की धरोहर पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

सरकारी प्रोत्साहन - संरक्षण कार्य में निजी निवेश और ट्रस्क्रफंडिंग को आकर्षित करने के लिए विशेष नीतियाँ बनाई जाएँ।

शेखावाटी की हवेलियाँ केवल ईंट और पत्थर का ढाँचा नहीं हैं, बल्कि ये हमारी अस्मिता, कला और संस्कृति की विरासत हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल से यह उम्मीद जगी है कि राज्य सरकार और समाज मिलकर इन धरोहरों को संरक्षित करेंगे।

समय की मांग है कि शेखावाटी की हवेलियाँ केवल इतिहास का हिस्सा न बनें, बल्कि वर्तमान और भविष्य की पहचान बनें। संरक्षण ही इन्हें जीने का नया अवसर देगा और यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

बाड़मेर से खाटूश्याम भक्तों के लिए चलेगी ट्रेन

सीकर। बाड़मेर से सीकर के खाटूश्याम मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के काम की खबर है। रेलवे बाड़मेर से जम्मू के बीच बाड़मेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल ट्रेन का संचालन करने जा रहा है।

यह ट्रेन सीकर के रींगस स्टेशन पर भी ठहराव करेगी। 17 सितंबर को यह ट्रेन बाड़मेर से दोपहर 12.30 बजे रवाना होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 04818, बाड़मेर-जम्मूतवी एक तरफा स्पेशल ट्रेन 17 सितंबर को बाड़मेर से दोपहर 12.30 बजे रवाना होगी, जो रात 10.58 बजे सीकर के रींगस स्टेशन पर पहुंचेगी। यहां पर 3 मिनट के ठहराव के बाद 11.01 पर ट्रेन आगे के लिए रवाना होकर 18 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे जम्मूतवी स्टेशन पहुंचेगी।

जलाए जायेंगे 11000 दीपक होगा पितरों का तर्पण

सीकर । श्री कल्याण धाम सीकर पितृ पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर 19 सितम्बर को धर्मगुरु सनातन रत्न महंत विष्णु प्रसाद शर्मा के सानिध्य में पितृ दीपावली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी के द्वारा दोपहर 2.15 बजे अपने अपने पितरों के निमित सामूहिक तर्पण किया जाएगा।

तत्पश्चात 5 बजे कल्याण धणी की महाआरती कर शालिग्राम भगवान की तुलसी दल से पूजन कर श्री कल्याण धाम से माधव सागर तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। माधव सागर पर 11000 दीपकों से भव्य सजावट कर पितरों के निमित दीप दान किया जाएगा,

हिन्दी दिवस पर हुई काव्यगोष्ठी में साहित्यकारों ने जमाया रंग

चूरू, 15 सितम्बर। हिन्दी दिवस के अवसर पर नगर श्री के सभागार में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह एवं काव्यगोष्ठी में स्थानीय तथा बाहर से आए कवियों ने देर रात तक खूब रंग जमाया। शिक्षाविद बाबूलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कुमार अजय मुख्य अतिथि रहे।

इस अवसर पर साहित्यकार जय कुमार रुसवा कोलकाता को रामादेवी भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोष 2025 से तथा राजेन्द्र स्वर्णकार बीकानेर को जनकवि प्रदीप शर्मा सम्मान 2025 से अलंकृत किया गया। सम्मान स्वरूप दोनों कवियों को श्रीफल, शाल, प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र,पदक एवं 11000 रुपए भेंट किए गए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में हूई काव्यगोष्ठी में स्थानीय कवि सुनील खेड़ीवाल, ओम भगताणी, इमरान अहमद, अनिल रजनी कुमार, मंगल भारती, महेश सैनी, विजय कान्त, अब्दुल मन्नान और इदरीस खत्री राज बिसाऊ से आए प्रमोद सिंगाठिया शरबत, सीकर से आए गणेश शर्मा, पवन कुमार उत्साही महावीर प्रसाद शर्मा शौकीन, रामचंद्र शर्मा, ओमप्रकाश खींखी दिल सीकरी आदि ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुति दी।

वहीं मंच पर आसीन मुख्य अतिथि कुमार अजय संसद के बनवारी लाल ख़ामोश तथा दोनों सम्मानित हुए कवि जयकुमार रुसवा और राजेन्द्र स्वर्णकार ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में बाबूलाल शर्मा ने सम्मानित साहित्यकारों को और आयोजकों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी तथा सभी कवियों और श्रोताओं का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन कमल सिंह कोठारी ने किया।

इस अवसर पर अनंत राम जी सोनी, मदन लाल चोटिया, मंगतूराम चोटिया, पुरूषोत्तम नरडिया परमेश्वर जालूका सुल्तान सिंह कस्बा विजय कुमार नवहाल हरीश झखनाडिया, डॉ सुरेन्द्र शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, मुसाफ़िर रवीन्द्र माटोलिया बालकिशन तिवारी प्रदीप सरोठिया राजकुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कमल सिंह कोठारी ने किया।

गया जी में नवें दिन सीता कुंड पर सम्पन्न हुआ श्राद्धकर्म

गया/कोलकाता (विशेष संवाददाता)। गया जी में चल रहे पितृपक्ष श्राद्ध पर्व के अंतर्गत सोमवार को नवें दिन सीता कुंड पर विधिविधान से श्राद्ध सम्पन्न हुआ। नीमकाथाना निवासी एवं वर्तमान में कोलकाता प्रवासी कपिल कुमार अग्रवाल व उनकी धर्मपत्नी ने पंडित विनोद मुद्गल के सानिध्य में अपने पितरों के लिए श्रद्धा अर्पित की।

सीता कुंड, जो फल्गु नदी के किनारे स्थित है और जहां राम-लक्ष्मण के साथ सीता जी का मंदिर भी विराजमान है, वहां श्राद्धकर्म का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परंपरा अनुसार बालू के पिंडों का दान महिलाओं द्वारा किया गया। तत्पश्चात सौभाग्य पिटारे एवं अन्य धार्मिक दान सामग्री भी समर्पित की गई।

पंडित मुद्गल ने बताया कि सीता कुंड का विशेष धार्मिक महत्व है, यहां किया गया श्राद्ध पितरों को मोक्ष प्रदान करने वाला माना जाता है।

गयाजी में सीता कुंड श्राद्ध करना एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसका विशेष महत्व है। यहाँ श्राद्ध करने के पीछे एक पौराणिक कथा है, जिसके अनुसार माता सीता ने यहाँ पर राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इसी कारण इस स्थान को पिंडदान के लिए बहुत पवित्र माना जाता है।

गयाजी में सीता कुंड पर श्राद्ध करने की विधि कुछ इस प्रकार है-

1. स्थान और विधि-सीता कुंड, फल्गु नदी के किनारे स्थित है। यहाँ पर पिंडदान मुख्य रूप से बालू (रेत) से किया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि माता सीता ने फल्गु नदी के बालू से ही राजा दशरथ का पिंडदान किया था। पिंडदान करने वाले लोग अक्सर दुकानें से बालू खरीदते हैं, क्योंकि फल्गु नदी में रबर डैम बनने के कारण नदी का बालू मिलना कठिन हो गया है।

2. श्राद्ध का महत्व-सीता कुंड पर बालू का पिंडदान करने से पितरों को स्वर्ग और अक्षय लोक की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि गयाजी में पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष मिलता है और 108 कुलों और 7 पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। यहाँ श्राद्ध करने से व्यक्ति पितृऋण से मुक्त हो जाता है।

3. मातृ नवमी का विशेष महत्व-मातृ नवमी के दिन सीता कुंड पर केवल महिलाएं तर्पण और पिंडदान करती हैं। महिलाएं पहले सीता कुंड में स्नान करती हैं, फिर सीता मैया, राम और लक्ष्मण का पूजन करती हैं, और उसके बाद अपने पूर्वजों को जल और पिंडदान अर्पित करती हैं।

4. अन्य अनुष्ठान- सीता कुंड के पास कई प्राचीन मंदिर भी हैं, जहाँ भगवान राम और माता सीता के चरण चिन्ह भी मौजूद हैं। पिंडदान करने के बाद, सौभाग्य पिटारी (सुहाग का सामान) दान करने की भी परंपरा है। गयाजी में श्राद्ध का पूरा अनुष्ठान कई दिनों तक चलता है, और सीता कुंड उनमें से एक प्रमुख पिंड वेदी है।

लाहौरा प्रदेशाध्यक्ष बने

झुंझुनूं। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन राजस्थान प्रदेश शाखा के

अध्यक्ष पद पर मंडावा निवासी कैलाश किशन लाहौरा को चुना गया है। महाराष्ट्र के पूना में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राजस्थान सहित पांच राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष पद पर लाहौरा के नाम पर मुहर लगी है। लाहौरा के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार का आभार व्यक्त किया हैतथा लाहौरा को बधाई प्रेषित की है। इसके अलावा उदयपुर सिटी के मदनलाल खोखर, चित्तौड़गढ़ के विजय चौहाण, आरडी चनाल भीलवाड़ा, सुरेश घुसर शाहपुर, रमेश ढेंढवाल पिलानी, गोपाल मनन चांवरिया जयपुर, अनिल लाहौरा भरतपुर सहित प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं ने लाहौरा को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष परमार के प्रति आभार जताया है।

"भारतीय भाषाओं ने प्रतिरोध को मुखर किया है"- कुलगुरु मनोज दीक्षित

हिन्दी दिवस समारोह में साहित्यकारों को सम्मानित किया गया

चूरू, 15 सितम्बर। हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति श्री डूंगरगढ़ द्वारा आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि हमारे भारतवर्ष का इतिहास प्रतिरोध का इतिहास है। इसमें यहां की भाषाओं का बड़ा योगदान रहा है। भाषाओं ने लोक और संस्कृति तथा इतिहास को जिंदा रखने का काम किया है। उन्होंने हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर बोलते हुए कहा कि ए आई को भी संचालित कोई बुद्धिमान व्यक्ति ही करता है पर वह डेटाबेस पर आधारित है। लेखन में विश्वसनीय नहीं कही जा सकती। ए आई का सीधा इस्तेमाल नहीं कर उसका सावधानी पूर्वक परीक्षण किया जाना आवश्यक है। कुलगुरु मनोज दीक्षित ने राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के साहित्यिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए भरोसा दिलाया कि वे आगामी दिनों में गंगासिंह विश्वविद्यालय से इसको किसी न किसी रूप में जोड़ने का कार्य करेंगे। भगवती पारीक श्मनुश् की सरस्वती वन्दना से प्रारंभ हुए समारोह में समिति मंत्री व संयोजक रवि पुरोहित ने संस्था की 65 वर्षीय विकास यात्रा साझा की। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए स्थानीय विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि हिंदी एवं हमारी भारतीय संस्कृति दोनों अनुस्यूत है- एक दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए संस्कृति को बचाने के लिए हिंदी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सारस्वत में इस बात पर भी बल दिया कि हमें हिंदी के साथ-साथ दैनन्दिनी जीवन में स्वदेशी अपनाना चाहिए। हिंदी दिवस के अवसर पर ष्हिंदी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संभावनाएं और चुनौतियांष् विषय पर आयोजित संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए महारानी सुदर्शना बालिका महाविद्यालय बीकानेर के पूर्व प्राचार्य डॉ. उमाकांत गुप्त ने त्रिस्तरीय ए आई के प्रयोग समझाते हुए कहा कि एआई के आने से बहुत सी चीजें सरल हुई हैं तथा भाषा के स्तर पर देखें तो शोधार्थियों के लिए एआई ने संदर्भों को सुगम किया है। चिकित्सा जगत तथा मशीनीकरण में उसकी उपायदेयता उत्तम कहीं जा सकती है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार व समालोचक डॉ. गजादान चारण ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता में संवेदना का अभाव रहता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से कविता तो लिखी जा सकती है पर उसमें काव्य के लालित्य तथा संवेदनाओं का अभाव देखा जा सकता है। राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समिति के अध्यक्ष श्याम महर्षि ने समिति के द्वारा की जाने वाली साहित्यिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। हिंदी दिवस के अवसर पर संस्था के सर्वोच्च सम्मान साहित्य श्री से डॉ. पद्मजा शर्मा को सम्मानित किया गया, उन्होंने कहा कि मैं अपना यह सम्मान अपनी कृतियों के पात्रों को समर्पित करती हूं। नंदलाल महर्षि स्मृति हिंदी सर्जन पुरस्कार जबलपुर के देवेंद्र कुमार मिश्रा, सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार कुमार सुरेश, चंद्र मोहन हाड़ा हिमकर स्मृति पुरस्कार उपन्यास लेखक विश्वनाथ तंवर को प्रदान किया गया। रामकिशन उपाध्याय समाज सेवा पुरस्कार हरिशंकर बाहेती को प्रदत्त किया गया। बाहेती ने समर्पित राशि को दुगुना कर समिति को सौंपते हुए कहा कि इसे साहित्यिक व सेवा के कार्यों में खर्च किया जाए। शिव प्रसाद सिखवाल महिला लेखन पुरस्कार संगीता सेठी बीकानेर, शब्द शिल्पी सम्मान अजमेर के सुरेश कुमार श्रीचंदानी तथा श्याम सुंदर नगला बाल साहित्य पुरस्कार शाहजहांपुर के डॉ. नागेश पांडेय को समर्पित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मोनिका गौड़ ने किया।

कार्यक्रम में चेतन स्वामी, बजरंग शर्मा, रामचन्द्र जी राठी, गजानंद सेवग, मदन सैनी, सत्यनारायण योगी, सत्यदीप भोजक, महेश जोशी, सोहन ओझा, भवानी उपाध्याय, तुलसीराम चौरड़िया, विजय महर्षि, महावीर माली, नारायण सारस्वत, श्रीभगवान सैनी, महावीर सारस्वत, सुशीला सारण, मीना मोरवानी, प्रतिज्ञा सोनी, सरोज शर्मा, पूनमचंद गोदारा, श्रवण गुरनानी, सुनील खांडल, नंदकिशोर पारीक, हरीराम सारण, लक्ष्मी कांत वर्मा, दयाशंकर शर्मा, कैलाश शर्मा आदि साहित्य प्रेमी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बारिश में खराब फसलों पर किसानों ने चलाया ट्रैक्टर

सीकर। प्रदेश में इस बार भारी बारिश के कारण कई जिलों में फसलों को नुकसान हुआ।

ग्वार, बाजरा और मूंग की फसलें अतिवृष्टि की भेंट चढ़ गई। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। सीकर और अलवर में आज किसानों ने अपनी खड़ी बेकार फसल पर ट्रैक्टर चलाकर जुताई की।

सीकर में ग्वार की फसल सड़ गईं। और जो बचीं है, उनमें दना नहीं पड़। बाजरे की फसलें आड़ी गिर गईं, सिट्टे काले पड़ गए। फसल में कालापन और गोंद की समस्या ने नुकसान को बढ़ा दिया। वहीं अलवर जिले में भी करीब 200 बीघा प्याज की खड़ी फसल पर किसानों ने ट्रैक्टर चलाकर मिट्टी में मिला दी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक हेमन्त कुमार द्वारा शेखावाटी टुडे प्रिंटिंग प्रेस रामगढ़ से मुद्रित व बिसाऊ गेट के पास, रामगढ़ शेखावाटी (सीकर) राजस्थान से प्रकाशित। सम्पादक-हेमन्त कुमार, मो.09928392426, (प्रशासनिक कार्यालय-शेखावाटी इनफॉर्मेशन ब्यूरो, बिसाऊ गेट के पास, रामगढ़ शेखावाटी, प्रबंध निदेशक-विजय कुमार शर्मा, फोन/फेक्स-01571-240380, मोबाइल-09928420968, 9461140380) Email-chief_editor@shekhawatitoday.com, shekhawatitoday@gmail.com, Website: www.shekhawatitoday.com